V-जॉन उतरी बीयर मैन्युफैक्चरिंग में

शेविंग के प्रॉफिट से बढ़ा बीयर का झाग

Photo: [illegible] MEHTA

> उस समय बाजार में विदेशी प्रोडक्ट का क्रेज था और वे अधिक दाम में बिकते भी थे। इसलिए इंगलिश नाम वी-जॉन रखा गया
>
> **भूपिंदर सिंह कोचर**
> *चेयरमैन, वी-जॉन ग्रुप*

[**शीतल गौड़ तंवर** *नई दिल्ली*]

दिल्ली का शेविंग क्रीम ब्रांड वी-जॉन ग्रुप एक स्पेनिश कंपनी के साथ मिलकर बीयर मैन्युफैक्चरिंग कारोबार में उतरने की तैयारी कर रहा है। कंपनी ज्वाइंट वेंचर में दो बीयर ब्रांड बाजार में उतार रही है, जिसके लिए भिवाड़ी में प्लांट लगाया गया है। बीयर के बाजार में वीजॉन को अपनी पैठ बनाने में कितना समय लगेगा, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन शेविंग क्रीम के बाजार में इसकी बादशाहत दशकों से कायम है। वीजॉन ग्रुप के चेयरमैन भूपिंदर सिंह कोचर ने अपने नए वेंचर के बारे में बताया कि स्पेन की कंपनी मेहाउ सैन मिग्यूल के साथ उसके जेवी में दोनों कंपनियों की 50-50 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी अपने बीयर के लिए कच्चे माल की खरीदारी लोकल ही करेगी और फिलहाल यह उत्तर भारत के पांच राज्यों, बिहार, राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बिकेगी।

1960 में लॉन्च हुआ वी-जॉन आज देश का बड़ा शेविंग ब्रांड बन गया है। मजेदार बात यह है कि इस ब्रांड की शुरुआत एक ऐसे शख्स ने की, जिसने खुद कभी शेविंग नहीं की। वी-जॉन की नींव भूपिंदर के पिता सुचेत सिंह कोचर ने चांदनी चौक में अपने घर से की थी। वह पर्सनल केयर प्रोडक्ट को सदर बाजार में बेचते थे। कोचर ने बताया कि उनका घर बालों के तेल, पाउडर और क्रीम की खुशबू से महकता रहता था। कारोबार के लिए बड़ा ब्रेक तब आया जब सुचेत सिंह ने शेविंग क्रीम बेचने की योजना बनाई।

दिल्ली के रतन

कोचर ने कहा, 'उस समय विदेशी प्रोडक्ट का क्रेज था और वे अधिक दाम में बिकते भी थे। इसलिए इंगलिश नाम वी-जॉन रखा गया।' वी-जॉन की सफलता के बाद उन्होंने कोचर कॉस्मेटिक के नाम से एंटरप्राइज को रजिस्टर करा लिया। कोचर परिवार ने जीटी करनाल रोड पर 1978 से 2002 तक 4 फैक्ट्री खोल ली। साल 2004 में उन्होंने मैन्युफैक्चरिंग हिमाचल प्रदेश के बद्दी में शिफ्ट कर ली। एफएमसीजी सेक्टर को दो भागों में बांट दिया। माजा पर्सनल केयर और माजा हेल्थकेयर। ये दो डिविजन 15 प्रोडक्ट बनाती हैं।

इनमें वी-जॉन ब्रांड शेविंग क्रीम, शेविंग फोम और जेल, हेयर रिमूविंग क्रीम, फेयरनेस क्रीम, स्किन क्रीम, आल्मंड हेयर ऑयल, टेलकम पाउडर और टूथपेस्ट शामिल हैं। कंपनी डियोडरेंट और परफ्यूम भी बनाती है। भूपिंदर सिंह कोचर परिवार की दूसरी पीढ़ी है, और अब ग्रुप में परिवार की तीसरी पीढ़ी भी है। वी-जॉन का सालाना टर्नओवर 250 करोड़ रुपए है। कोचर ने बताया कि कंपनी ने डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क उत्तरी राज्यों से बढ़ाकर पूर्वी, पश्चिमी राज्यों में फैलाया है।